

चमड़ी में फोड़े (Pressure Sore)

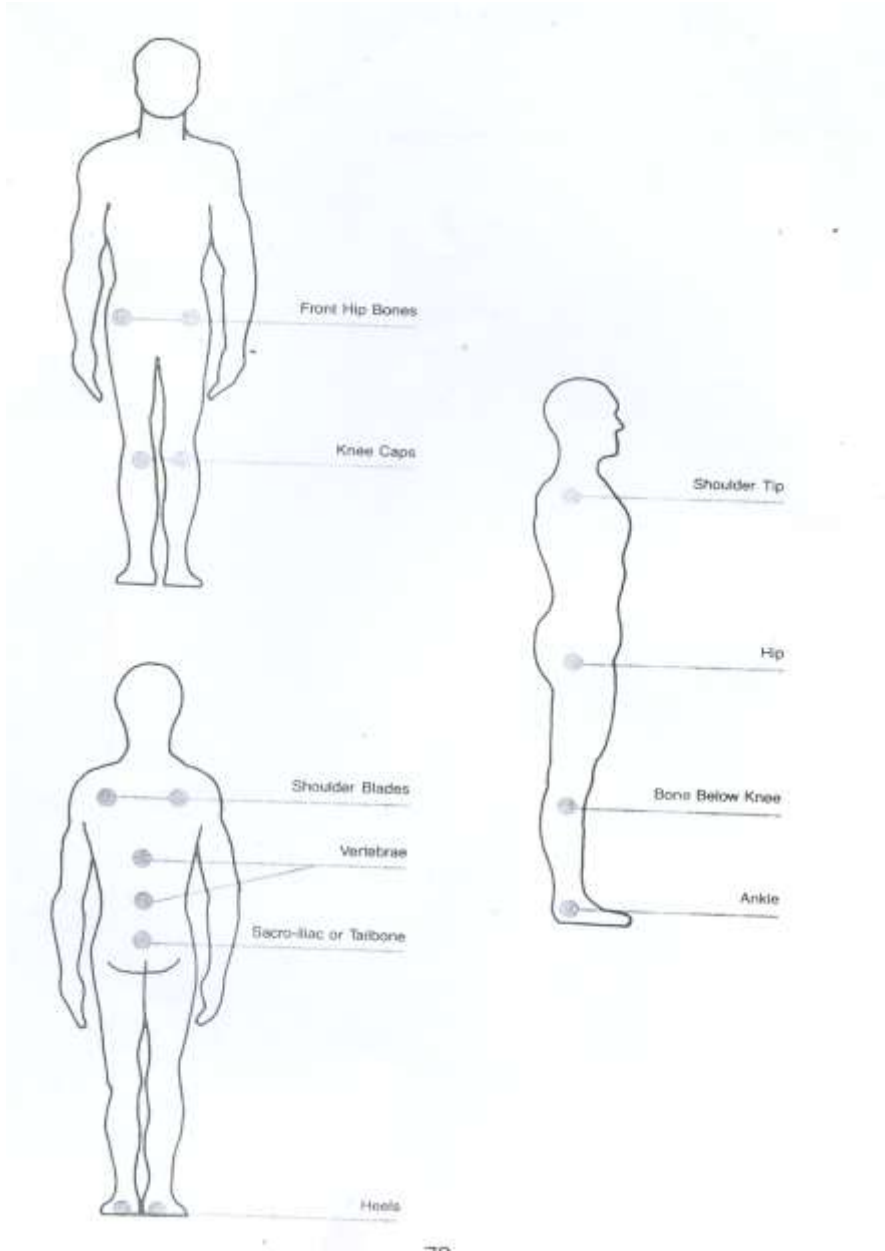
लकवे के रोगी में स्किन की विशेष देखभाल की जाती है। रोगी अपने आप करवट नहीं ले सकता है तथा एक ही स्थिति में लेटा रहता है। इस कारण उसके शरीर के कुछ भागों में अत्यधिक दबाव (Pressure) पड़ता है जैसे कमर का पिछला और निचला भाग, कूल्हे, ऐडी आदि। इस अत्यधिक दबाव (Pressure) के कारण चमड़ी में फोड़े पड़ जाते हैं। रोगी को अगर बहुत देर तक करवट नहीं दिलायी तो शरीर में फोड़े पड़ जाते हैं। इन फोड़ों से दर्द, बुखार तथा हाथ पैरों में अकड़न आती है। मरीज को ठीक होने में ज्यादा समय लगता है।

रोकथाम

1. प्रत्येक 2 घन्टे में पोजीशन (Position) बदलना (करवट दिलाना),
2. स्किन (Skin) साफ तथा सूखी (Clean & Dry) रखना,
3. चमड़ी बहुत सूखी (Dry) हो तो लोशन (Lotion) लगाना,
4. चमड़ी का रोज निरीक्षण करना, चित्र में दिखाये गये स्थान पर लालपन (Redness) तो नहीं आ रहा है ।
5. रोगी को सही ढंग से उठाना, बिठाना, लिटाना, करवट दिलाना तथा पलंग से कुर्सी पर बिठाना चाहिये,
6. रोगी को उठाते बिठाते समय चादर पर घसीटना नहीं चाहिए। घसीटने से त्वचा छिल जाती है,
7. ढीले कपड़े पहनाने चाहिये,
8. सम्पूर्ण विटामिन युक्त भोजन, (Complete Nutrient Food)
9. चित्र में दिखया गया है कि फोड़े कहाँ-कहाँ हो सकते हैं,
10. इन स्थानों की रोज जाँच करें तथा यदि यहाँ पर लालपन (Redness) आये, यहाँ कि चमड़ी छिल जाये तो चिकित्सक को तुरंत बताएं,
11. यदि कमर के नीचे लालपन आए तो एअर कुशन (Air Cussion) का उपयोग करें।
12. यदि एडी के नीचे लालपन आये तो पानी की थैली (Water bag) का उपयोग करें।

13. रोगी को पलंग (Bad) से नीचे की ओर नहीं खिसकने दीजिये इससे कमर की चमड़ी (Skin) छिल सकती है।
14. बैडसोर (Bedsore) को अनदेखा न करें उसमें कीड़े (Maggots) पड़ सकते हैं जिससे बदबूदार मवाद (Pus) आ सकता है तथा वह हडडी (Bone) तक गहरे भी हो सकते हैं।
15. बैडसोर भरने में महीनों लग सकते हैं अतः इसकी रोकथाम (Prevention) ही इसका सबसे अच्छा उपचार (Treatment) है।
16. एयर बैड (Air bad) या वाटर बैड (Water bad) होने के बाद भी रोगी को 2 – 3 घंटे में करवट दिलाना आवश्यक है।

कहाँ-कहाँ पर छाले पड़ने की सम्भावनाए हैं।



चित्र

स्किन में फोड़े (Pressure Sore)

लकवे के रोगी में स्किन की विशेष देखभाल की जाती है। रोगी अपने आप करवट नहीं ले सकता है तथा एक ही स्थिति में लेटा रहता है। इस कारण उसके शरीर के कुछ भागों में अत्यधिक दबाव पड़ता है जैसे कमर का पिछला और निचला भाग, कूल्हे, ऐडी आदि। इस अत्यधिक दबाव के कारण चमड़ी में फोड़े पड़ जाते हैं !

रोगी को अगर बहुत देर तक करवट नहीं दिलायी तो शरीर में फोड़े पड़ जाते हैं। इन फोड़ों से दर्द, बुखार तथा हाथ पैरों में अकड़न आती है। मरीज को ठीक होने में ज्यादा समय लगता है।

रोकथाम

- 1 प्रत्येक 2 घन्टे में पोजीशन बदलना (करवट दिलाना),
- 2 स्किन साफ तथा सूखी रखना, चमड़ी बहुत सूखी हो तो लोशन लगाना, चमड़ी का रोज निरीक्षण करना,
- 3 सम्पूर्ण विटामिन युक्त भोजन,
- 4 रोगी को उठाते बिठाते समय चादर पर घसीटना नहीं चाहिए। घसीटने से त्वचा छिल जाती है। ढीले कपड़े पहनाने चाहिये,
- 5 रोगी को सही ढंग से उठाना, बिठाना, लिटाना, करवट दिलाना तथा पलंग से कुर्सी पर बिठाना चाहिये।